वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 66 | सोमवार 30 जून 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

19वां राज्य स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह

सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए होगी, कोर्डिनेशन एंड एक्सीलरेशन सेंटर की स्थापना: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जन-आकांक्षाओं की पूर्ति का आधार सांख्यिकी, सटीक आंकड़ों के माध्यम से विकसित राजस्थान का संकल्प होगा पूरा, "एसडीजी वेबसाइट 2.0" का किया शुभारंभ

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सांख्यिकी वो क्षेत्र है जिसके माध्यम से सरकार जनता की अपेक्षाओं-आकांक्षाओं की पूर्ति कर सकती है। जब आंकड़े सटीक होते हैं, तभी हम निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में प्रगति का निष्पक्ष मूल्यांकन कर सकते हैं और सुधार के लिए समय रहते कदम उठा सकते हैं। उन्होंने आंकड़ों की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं उपयोगिता को और अधिक सशक्त बनाते हुए विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के संकल्प की सिद्धि का आह्वान किया। शर्मा रविवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जंयती के अवसर पर आयोजित 19वें राज्य स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महालनोबिस का स्मरण करते हुए कहा कि वे भारतीय सांख्यिकी प्रणाली के मुख्य शिल्पी और सांख्यिकी विज्ञान के जनक थे। देश में सांख्यिकी प्रणाली को सुदृढ़ करने और नीति निर्माण को वैज्ञानिक तथ्यों एवं आंकड़ों पर आधारित बनाने का उनका योगदान हमेशा याद रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 19वां सांख्यिकी दिवस ह्यनेशनल सैंपल सर्वे के 75 सालह्य थीम पर मनाया जा रहा है जिसके निष्कर्षों एवं तथ्यों ने देश में नीतियों एवं कार्यक्रमों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

भारत सांख्यिकी के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर के रूप में उभरा

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सांख्यिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, जिनसे न केवल जनकल्याणकारी नीतियां एवं कार्यक्रम बनाने में मदद मिल रही है बल्कि सांख्यिकी के क्षेत्र में भारत ग्लोबल लीडर के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री जी का मानना है कि डेटा आज केवल सूचनात्मक संसाधन नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संपदा है। उन्होंने कहा कि डेटा से सांख्यिकी प्रणाली को व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के साथ ही दूरगामी निर्णय लेने में मदद मिल रही है। ये आंकड़े ही तेजी से विकास के प्रमुख आधार है।

सटीक आंकड़ों से राजस्थान बनेगा 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जो व्यापक आंकड़े के आधार पर नीतियां एवं कार्यक्रम बनाकर उन्हें लागू करता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज राज्य सरकार ने आंकड़ों के आधार पर नीतिगत निर्णय लेकर सुशासन की मजबूत नींव रखी है। प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य हो या अंत्योदय की भावना के अनुरूप कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक सुगमता से पहुंचाने का संकल्प, राज्य सरकार आंकड़ों के आधार पर मजबूती से निर्णय ले रही है।

सांख्यिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में उठाए महत्वपूर्ण कदम

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में सांख्यिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। राज्य में 68 नवीन ब्लॉक सांख्यिकी कार्यालयों एवं 8 नए जिलों में सांख्यिकी कार्यालयों की स्थापना करने के साथ ही, सांख्यिकी कार्यालयों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाने के प्रावधान भी किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सतत विकास लक्ष्यों के प्रभावी क्रियान्वयन की दृष्टि से हमनें बजट में एसडीजी कोर्डिनेशन एंड एक्सीलरेशन सेंटर की स्थापना की घोषणा की। इसके लिए पदों के सृजन एवं विशेषज्ञों की सेवाओं के लिए वित्तीय सहमति दी जा चुकी है।

मानव संरक्षण कल्याण संगठन द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन, 75 लोगों ने रक्तदान किया

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। मानव संरक्षण कल्याण संगठन द्वारा आज ऐलनाबाद के नैन ऑर्थो एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ऐलनाबाद में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश वर्मा की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें डॉक्टर अमर सिंह सिद्धू ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। डा अमर सिंह सिद्धू व डॉ गौरव नैन ने रक्तदान करने के फायदे बताएं। रक्तदान कैंप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश वर्मा ने बताया की इस शिविर में 75 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। उन्होंने कहा की रक्तदान करने से इन्सान के शरीर में कोई भी कमी नहीं आती हैं , इसलिए हर 3 महीने बाद रक्तदान आवश्य करना चाहिए। हरियाणा कोडीनेटर सतवीर ठाकुर ने बताया रक्त एक ऐसी जरूरत

की चीज है जिसे आजतक ना तो कोई वैज्ञानिक अपनी लैंब में बना सके और ना ही यह है किसी फैक्ट्री में बनता है। यह तो सिर्फ मानव के शरीर में मिलता है और मानव के ही काम आता है। शहरी अध्यक्ष सुमीत गोयल ने आए हुए रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया और निवेदन किया कि रक्तदान क्षेत्र को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाना चाहिए ताकि किसी जरूरतमंद को जरूरत पड़ने पर रक्त की कमी महसूस ना हो और इसके कारण किसी को जान ना गंवानी पड़े। संगठन महासचिव भजन लाल गर्ग व उपाध्यक्ष सुंदर परिहार ने बताया की आज रक्तदान कैंप लगाने के लिए विशेष रूप से शिविर में सहयोग करने के लिए सिरसा से शिव शक्ति ब्लड बैंक व रेड क्रॉस सोसाइटी सिरसा पहुंची और अपने सभी साथियों के साथ रक्तदान कैंप को कुशलता पूर्वक पूर्ण किया। इस अवसर पर महिला अध्यक्ष श्रीमती कमलेश सैनी व सचिव मंजू सोनी ने बताया की हमारे संगठन द्वारा रक्तदान कैंप के अलावा समय-समय पर अनेक सामाजिक कार्य कार्य किए जाते हैं और रक्तदान भी उसका एक हिस्सा है। रक्तदान कैंप में गांव व शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों के अलावा संगठन के जिला कार्यकारिणी सदस्य साहिल प्रजापति,राजेश दहिया, जिला सचिव ओपी परीक, अजीत यादव, सुमित्रा देवी, प्रियंका सियाग, कविता सिहाग, दिलीप प्रजापति, जितेंद्र राजपुरोहित, विजय स्वामी, हरीश तलवाड़ा, विजय भटनागर,किशोरी लाल, डॉ बलराज कालवा, अमित, राहुल, विनोद सोलंकी, सुभाष सैनी, राधा कृष्ण पटीर, पवन जाजू, बीएम नागर संरक्षक, राकेश रायल, अतुल गगनेजा, अनिल कुमार सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुकुलिका बैद शिक्षा विभूषण सम्मान से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए समाजसेविका व अखिल भारतीय तेरापंथ महिला की राष्ट्रीय पदाधिकारी मुकुलिका बैद पत्नी जुगल किशोर बैद को शिक्षा विभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। मुकुलिका को यह सम्मान षिक्षा विभाग की ओर से जवाहर नगर स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के तक्षशिला सभागार में हुए 29वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदान किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट सहित अन्य लोग मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि जिस विद्यालय में शिक्षा ग्रहण की उसी को 68 साल बाद मुकुलिका बैद ने मुकुलिका बैद राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजमहल गुलाब सागर का जीर्णोद्धार कराया गया। मुकुलिका बैद के पति जुगल किशोर बैद समाज सेवी, समाज भूषण, जो राष्ट्रपति द्वारा प्रथम पुरुस्कार से सम्मानित है। बैद बहुमुखी प्रतिभा की धनी है समाज उनकी उदारता से सदा लाभान्वित रहता हैं। बैद प्रतिवर्ष 16 वर्षों से सरकारी विद्यालयों में 50 से 60 हजार कॉपी का वितरण करती हैं। अब तक 100 विद्यालयो में आलमारी व 250 पुस्तकें देकर पुस्तकालय खुलवाये तथा 121 इन्सिनेटर महिला विद्यालयो को उपलब्ध करायें। दो विद्यालयो को गोद लेकर उनका सवार्गीण विकास कर रही है। मुकुलिका ने सरकार की ओर से चलाए गए विभिन्न अभियानों, स्वच्छता अभियान, शौचालय निर्माण, जल संरक्षण, बालिका बचाओ-बालिका पढाओं, प्लास्टिक फ्री इंडिया, गऊ संरक्षण आदि सभी अभियानों में सक्रियता से योगदान दिया। यह उनकी देशभक्ति की भावना को दर्शाता है।

मुनि श्री अनुपम सागर के अवतरण दिवस पर भीलवाड़ा समाज द्वारा चातुर्मास पोस्टर का विमोचन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। मुनि श्री अनुपम सागर जी के अवतरण दिवस का कार्यक्रम चित्तौड़ में हुआ जिसमे भीलवाड़ा से सेकड़ो श्रावक, श्राविकाएं बसो द्वारा चित्तौड़ पहुचे। श्री महावीर दिगंबर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया की हाउसिंग बोर्ड, चंद्र शेखर, आर. के कॉलोनी, आमलियो की बारी, केसर कुंज, आदि कॉलोनियों से कई भक्त गण कार्यक्रम में शामिल हुए। मीडिया प्रभारी भागचंद् पाटनी ने बताया की भीलवाड़ा में चातुर्मास हेतु श्री महावीर दिगंबर जैन सेवा समिति एवम सकल दिगंबर जैन समाज भीलवाड़ा द्वारा पोस्टर का विमोचन मुनि श्री के सानिध्य मे हुआ। शाम को मुनि संघ का विहार चित्तौड़ से भीलवाड़ा की ओर हुआ जिनकी 2 जुलाई बुधवार को भीलवाड़ा नगर मे प्रातः 8 बजे रेल्वे स्टेशन स्थित अम्बेडकर सर्किल पर जैन समाज द्वारा भव्य अगवानी कि जायेगी। स्टेशन चोरहा से मुनी संघ के साथ शोभा यात्रा प्रारंभ होंगी जो की हाउसिंग बोर्ड स्थित दिगंबर जैन मन्दिर पहुंचेगी। चातुर्मास की भव्य तैयारिया समिति द्वारा की जा रही है।

रोटरी क्लब का स्नेह मिलन कार्यक्रम

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। रोटरी क्लब नसीराबाद द्वारा रामचंद्र जी की धर्मशाला में स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें रोटरी मेंबर्स और उनके बच्चों द्वारा कई प्रकार की विशेष मनोरंजक प्रस्तुतियां दी गई कार्यक्रम में सेवाभावी समाजसेवी शंकर राठी को उनके द्वारा वर्षों से किया जा रहे निस्वार्थ सेवा भाव के कार्यों के लिए सम्मानित किया गया क्लब के विजय मेहरा ने बताया कि आपके द्वारा कोरोना काल में भी हजारों लीटर काढ़ा बनाकर पूरे शहर में निशुल्क वितरित किया कार्यक्रम के दौरान 14 बर्थडे मेंबर्स के जन्मदिन मनाए गए और पूरे कार्य कार्यक्रम में अध्यक्ष मुकेश मित्तल के सुरीले गीत और शायरियों से पूरा प्रोग्राम संगीतमय हो गया संजय बैपटिस्ट का मंच संचालन बहुत अच्छा रहा। कार्यक्रम उपरांत सभी सदस्यों ने शानदार व्यंजनों का स्वाद चखा इस अवसर पर सभी रोटरी मेंबर्स सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम के समापन पर अमित तापड़िया और हिमांशु गर्ग द्वारा सभी को धन्यवाद प्रेषित किया।

जॉर्जिया में एक मात्र हिंदू मंदिर राजधानी त्बिलीसी में

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर से जॉर्जिया की यात्रा पर गए यात्री बातुमी, कुटैसी की यात्रा करते हुए रविवार को राजधानी त्बिलीसी पहुंचे । जहाँ यात्रियों ने इस देश के एक मात्र हिंदू मंदिर के दर्शन किए । इस्कॉन सोसाइटी के इस मंदिर में हरे कृष्ण हरे कृष्ण की मधुर आवाज में पाठ चल रहा था। मुख्य डीवोटी ने पदम जैन बिलाला को बताया कि त्बिलिसी आने वाले सभी भारतीय दर्शन हेतु यहाँ आते है, यहाँ भोर में आरती दिन में भक्ति एवं प्रसाद वितरण आदि कार्यक्रम होते है। इस समय जोधपुर, नोएडा आदि स्थानों के भारतीय भी यहाँ दर्शन हेतु आये हुए थे।

सोमालिलैंड के राष्ट्रपति एवं मंत्रियों से मिला कॉमनवेल्थ पुलिस स्पोर्ट्स यूनियन का प्रतिनिधिमंडल

जयपुर. शाबाश इंडिया

कॉमनवेल्थ पुलिस स्पोर्ट्स यूनियन का एक प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी, पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं यूनियन के वर्तमान अध्यक्ष विनोद कुमार मल्ल के नेतृत्व में निर्मला रावत, बृजराज शेखावत और कैप्टन सुमित यादव के साथ हरगेसा, सोमालिलैंड की राजकीय यात्रा पर पहुंचा। इस मौके प्रतिनिधिमंडल ने सोमालिलैंड के राष्ट्रपति से राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट की, जहां कॉमनवेल्थ पुलिस स्पोर्ट्स यूनियन की सदस्यता का प्रमाण पत्र औपचारिक रूप से राष्ट्रपति को सौंपा गया। इसके अतिरिक्त प्रतिनिधिमंडल ने गृह मंत्री, हरगेसा के महापौर, तथा नगर निगम आयुक्त से भी मुलाकात की। इन बैठकों में भारत एवं सोमालिलैंड के बीच सांस्कृतिक, खेल तथा पुलिस प्रशिक्षण सहयोग को लेकर व्यापक चर्चा की गई।

उपमुख्यमंत्री राजकुमारी दीया कुमारी को 'तत्व वेद' की प्रति भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय व विश्वगुरुदीप आश्रम शोध केंद्र, जयपुर के सहयोग से प्रकाशित की गई पुस्तक ''तत्व वेद'' की प्रथम प्रति उपमुख्यमंत्री राजकुमारी दीया कुमारी को सिटी पैलेस में भेंट की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की ओर से विश्वगुरु स्वामी महेश्वरानंद जी महाराज के सचिव एवं विश्वगुरुदीप आश्रम शोध केंद्र, जयपुर के समन्वयक कपिल अग्रवाल को प्रदान किए गए एप्रिसिएशन अवॉर्ड को हार्दिक रूप से सराहा, जिसकी सौगात उन्होंने स्वयं अपने करकमलों से दी थी। इस दौरान अग्रवाल ने उपमुख्यमंत्री को ओम आश्रम और ट्रांसपोर्ट कंपनी के प्रतीक-चिह्न युक्त एक स्मारक छाता भी भेंट स्वरूप अर्पित किया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर व डॉ. सुरेंद्र शर्मा भी मौजूद रहे।

वेद ज्ञान

चलते रहो कर्म करते रहो

प्रकृति के नियम के अनुसार हमे सदा चलते रहना चाहिए और अपने कर्म को करते रहना चाहिए। यह नियम किसी किताब मे नहीं लिखा हुआ है यह नियम खुद प्रकृति हमे बताती है। यह पूरा ब्रहमाण्ड आराम किए बिना अपना कार्य निरंतर करता है। यदि एक दिन भी यह अपना कार्य करना बंद कर देगी तो सोचो इस धरती का क्या हाल होगा। आप स्वयं ही इस बात की कल्पना कर लीजिए यह सभी जानते हैं कि हमारा ग्रह (पृथ्वी) सूर्य का चक्कर काटती है और दिन रात घुर्णन करती है जिसके कारण दिन, रात सर्दी और गर्मी होती है यह थी प्रकृति के नियम के बारे में जिसे हमें अपने जीवन में अपनाने चाहिए कुछ लोग अपने जीवन में बस कुछ कार्य नहीं बस आराम से जीवन जीने के बारे में सोचते हैं पर यह विचार रखना बिल्कुल गलत है अगर हम सारी उम्र आराम करने के बारे मे या फिर आराम दायक जीवन जीने के बारे मे सोचते हैं तो हम कई सारी बीमारी के शिकार हो जाएंगे। जैसे मोटापा, बल्ड प्रेशर, मधुमेह, माइग्रेन इत्यादि बीमारी से ग्रसित हो सकते हैं। जैसे हम सोचते कुछ हैं और होता कुछ और हैं वैसे आराम जीवन को बर्बाद कर देता है अगर समस्या और ज्यादा गम्भीर हो गई तो यह आत्महत्या बन जाती है। प्रकृति हमें यह संदेश देती है की हमें अपनी सारी उम्र निरंतर जीवन में कैसा भी कार्य हो बस उसे करते रहना चाहिए हमारे कार्य ही हमारे कर्म हैं। फालतु समय को बर्बाद नहीं करना चाहिए। हमें जितना हो सके जीवन की सफलता के लिए निरंतर बढ़ते रहना चाहिए। हमें आराम कम और कार्य ज्यादा करना चाहिए क्योंकि यह पूरा ब्रमाण्ड कभी आराम नहीं करती हैं इसलिए - चलते रहो और अपने कर्म करते रहो।

संपादकीय

तीर्थों पर क्यों हर साल टूटती है आफत

तीर्थस्थल लोगों की आस्था के साथ-साथ पर्यटन, रोजगार और राजस्व अर्जन के महत्त्वपूर्ण केंद्र होते हैं। अपेक्षा की जाती है कि ऐसी जगहों पर लोगों की आवाजाही, रुकने-ठहरने, खाने-पीने की समुचित और सुविधाजनक व्यवस्था हो। सरकारें तीर्थस्थलों के विकास और वहां श्रद्धालुओं-सैलानियों को आकर्षित करने का प्रयास करती हैं। इस दृष्टि से अनेक तीर्थस्थलों तक पहुंचने वाली सड़कों को चौड़ी करने, सुरंगों, उपरिगामी पुलों आदि के

निर्माण, होटल, मोटेल आदि की सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किए गए हैं। इसका असर भी नजर आता है। अनेक तीर्थस्थलों पर लोगों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। मगर इसके साथ ही इन जगहों पर कमाई की होड़ में कई अव्यवस्थाएं भी पनपी हैं। इसका नतीजा यह है कि दुर्गम जगहों, पहाड़ों के तीर्थस्थलों पर हादसे बढ़े हैं, जिनमें हर वर्ष बहुत सारे श्रद्धालुओं-सैलानियों की जान चली जाती है। इस मामले में उत्तराखंड के तीर्थस्थलों पर अव्यवस्था की वजह से होने वाले हादसों को लेकर सबसे अधिक सवाल उठते हैं। इस वर्ष चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से, दो महीनों के भीतर, सड़क दुर्घटनाओं, हेलिकाप्टर हादसे आदि की वजह से करीब साठ लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि वह यात्रियों की हर सुविधा का ध्यान रखता है, पर सच्चाई यह है कि अव्यवस्था के कारण चारधाम यात्रा में कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। यों, सैलानियों की बढ़ती तादाद और उनकी सुविधाओं के मद्देनजर किए जा रहे निर्माण कार्यों की वजह से उत्तराखंड के पर्यावरण को पहुंच रहे भारी नुकसान को लेकर लंबे समय से आवाजें उठती रही हैं। वहां के पहाड़ भंगुर हैं, निर्माण कार्यों और अतार्किक ढंग से बन रहे भवनों, सड़कों आदि के कारण उनमें दरारें पड़ने की शिकायतें आती रहती हैं। तेज बरसात में भूस्खलन से जब-तब तबाही के मंजर उपस्थित हो जाते हैं। इसलिए इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि वहां सैलानियों और पर्यटन संबंधी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए, उन्हें नियंत्रित और संतुलित किया जाए, ताकि अधिक भीड़भाड़ से असुविधाओं और जोखिम की स्थिति न बने। पर प्रशासन ने जैसे वहां कारोबारियों को मनमानी की छूट दे रखी है। इसी का नतीजा है कि हेलिकाप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाले तय मानकों को ताक पर रखते हुए उड़ान भरते रहते हैं। यही हाल वहां टैक्सी आदि की सेवाएं उपलब्ध कराने वालों का है। हालांकि उत्तराखंड के तीर्थस्थल और पर्यटन स्थल इस मामले में अपवाद नहीं हैं, हर तीर्थस्थल पर कमोबेश यही हाल है। जिन जगहों पर अधिक भीड़भाड़ इकट्ठा होने का अनुमान रहता है, वहां कायदे से लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के ठोस उपाय होने चाहिए। मगर ज्यादातर धार्मिक स्थलों पर यात्रियों को उनके भरोसे छोड़ दिया जाता है। कहीं-कहीं कभी-कभार कुछ स्वयंसेवक, लोगों को संभालते देखे जाते हैं, पर भीड़ अधिक हो जाने पर वे भी अवश हो जाते हैं, जिसका नतीजा कई बार हादसों में सामने आता है। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भाष विवाद

देश में हर व्यक्ति को अपनी भाषा के चयन की आजादी है। जाहिर है कि कोई भी व्यक्ति उसी भाषा को तरजीह देगा, जो उसके लिए सहज होगी। हालांकि, बदलते वक्त के साथ जीवन में बढ़ती जरूरतों के हिसाब से एक से ज्यादा भाषाएं सीखने के महत्त्व को भी नकारा नहीं जा सकता। मगर, भाषा को लेकर विवाद

की गुंजाइश क्यों पैदा हो रही है? किसी एक भाषा के लिए दूसरी का विरोध करना कितना तर्कसंगत है, यह सवाल फिर से गूंजने लगा है। दक्षिण के कुछ राज्य हिंदी थोपे जाने का आरोप लगाते हुए इसके खिलाफ फिर मुखर होने लगे हैं। तमिलनाडु के बाद अब महाराष्ट्र में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के त्रिभाषा सूत्र का विरोध हो रहा है। जबकि, केंद्रीय गृहमंत्री ने साफ किया है कि हिंदी किसी भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि यह सभी भारतीय भाषाओं की सखी है और देश में किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए। दरअसल, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में राज्यों में तीन भाषाएं पढ़ाए जाने की बात कही गई है। इनमें भाषाओं का चयन राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से स्वयं छात्रों की पसंद के आधार पर तय करने की बात कही गई है। बशर्ते तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारत की मूल भाषाएं हों। इस नीति के आधार पर महाराष्ट्र सरकार ने हाल में कक्षा एक से पांचवीं तक तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाए जाने का फैसला किया है। शिवसेना (उद्धव) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) इसका पुरजोर विरोध कर रही हैं। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के अध्यक्ष शरद पवार का कहना है कि हिंदी किसी भी राज्य पर थोपी नहीं जानी चाहिए। यह बात सही है कि किसी भी राज्य, समाज या व्यक्ति को कोई एक भाषा अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है, लेकिन हिंदी के प्रति एक खास तरह के पूर्वाग्रह का क्या औचित्य हो सकता है? अगर कोई अपनी इच्छा से किसी भाषा का चयन करना चाहे तो उसे रोकना न्यायसंगत नहीं होगा। विद्यालयों में भाषा के चयन का फैसला विद्यार्थियों की रुचि के आधार पर हो तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है।

फोर्टिस हॉस्पिटल में हेल्थ टॉक शो का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

एक्स फाउंडेशन व फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान मे शनिवार 28 जून 25 को हेल्थ टॉक शो आयोजित हुआ।कार्यक्रम में फॉर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर के डॉ संदीप जैन, डायरेक्टर एवं हैड, जीआई सर्जरी विभाग ने पेट के कैंसर पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया, मिथकों का खंडन किया और पेट की बीमारियों और लक्षणों के बारे में तथ्यों पर प्रकाश डाला। वही कार्यक्रम में डॉ राशि माथुर ने प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित बताया कि कैसे अलग-अलग ध्वनि से कैंसर के मरीज को अच्छा महसूस कराया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अमित गोयल, जयपुर जिला अध्यक्ष, भाजपा और विशिष्ट अतिथि मनोज मुदगल, पार्षद और चैयरमैन, अतिक्रमण विरोधी समिति, नगर निगम हेरिटेज जयपुर उपस्थित थे। इस आयोजन मे 90 से ज्यादा महिलाये उपस्थित थी और योगा एक्सपर्ट डॉ दीपम शर्मा व योगा थेरैपिस्ट डॉ मीनू धैया ने योगा फॉर ब्यूटी कि महत्वपूर्ण टिप्स दी। इस आयोजन के आयोजक अनिता माथुर और एक्स फाउंडेशन के एक्सपर्ट्स टीम मेंबर्स परहित इवेंट्स के फाउंडर एवं डायरेक्टर पारुल और रोहित ने लोगो को बताया कि हम अपनी दिनचर्या मे कुछ ऐसी आदते अपनाकर स्वस्थ और बेहतर जीवन की ओर एक कदम बढ़ा सकते है ।

भक्तामर स्तोत्र के सामूहिक जाप से समाज में शांति और सौहार्द की भावना प्रबल होती है: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

आज होगा पनवेल मे भव्य शोभायात्रा के साथ युवाचार्य प्रवर का चातुर्मास मंगल प्रवेश

पनवेल. शाबाश इंडिया। भक्तामर स्तोत्र के सामूहिक जाप का आयोजन साधना सदन मे युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी आदि ठाणा 4 के सानिध्य मे उत्साह और भक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस मंगल अवसर पर श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज ने धर्मसभा मे श्रध्दालुओं को बताया भक्तामर स्तोत्र महान आचार्यों की अनुपम रचना है, जिसमें छंदों और मंत्रों का अनूठा समावेश है। यह स्तोत्र हमारी आध्यात्मिक उन्नति के लिए अत्यंत उपयोगी है। सामूहिक साधना से हमारे अशुभ कर्म समाप्त होकर शुभ कर्मों की वृद्धि होती है। यह निकाचित कर्मों को डायवर्ट कर सकता है और हमें जीवन में सकारात्मकता प्रदान करता है। युवाचार्यश्री ने यह भी बताया कि सामूहिक आराधना से सभी की सद्भावना और मंगलभावना का जुड़ाव होता है,जिससे समाज में शांति और सौहार्द की भावना प्रबल होती है। उन्होंने भक्तामर स्तोत्र के शुद्ध उच्चारण और इसके वास्तविक उद्देश्य को समझकर आराधना करने का आग्रह किया। ओर कहा कि दिखावे से बचते हुए हमारे पूर्वजों की धरोहर को आत्मसात करने और सच्चे भावो के साथ चातुर्मास मे धर्म आराधना साधना मे सम्मिलित होने का संदेश दिया। इस अवसर पनवेल चातुर्मास समिति के अध्यक्ष राजेश बांठिया मेवाड़ उपसंघ के अध्यक्ष शैलेंद्र खैरोदिया,अशोक बोहरा ने युवाचार्यश्री के 30 जून सोमवार को चातुर्मास मंगलप्रवेश शोभायात्रा व समारोह मे अधिक से अधिक संख्या मे सम्मिलित होने का सभी को आहान किया। **-प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

शतरंज केवल ड्राइंग रूम का खेल न रहकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएं: राजस्थान जैन युवा महासभा

पहली बार आयोजित 10 दिवसीय निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण शिविर की हो रही सराहना, शिविर का शनिवार 5 जुलाई को होगा समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर द्वारा चेस पेरेंट्स एसोसिएशन एवं वाणी चेस क्लब के सहयोग से 26 जून से 5 जुलाई तक 10 दिवसीय शतरंज प्रशिक्षण शिविर चल रहा है। शतरंज के खेल में प्रतिभाओं को निखारने के लिए पहली बार आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर की जयपुर में ही नहीं वरन पूरे राजस्थान के खेल जगत में प्रशंसा की जा रही है। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर जिला अध्यक्ष संजय पांड्या एवं जिला मंत्री सुभाष बज ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं मंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' को कई संस्थाओं से इस कार्य के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी जा रही है। प्रतिभाओं को निखारने के लिए राजस्थान जैन युवा महासभा ने अन्य संगठनों के साथ मिलकर पहली बार यह ऐसा ऐतिहासिक कार्य किया है जिससे सैकड़ो लोग प्रेरित हो रहे हैं। संयोजक जिनेश कुमार जैन बताया कि शतरंज प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य यही है कि जयपुर जिले के बच्चों को शतरंज में उत्कृष्टता प्राप्त कराना और जयपुर का ही नहीं अपने प्रदेश एवं राष्ट्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित करना है। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने कहा कि हम चाहते हैं कि शतरंज केवल एक ड्राइंग रूम का खेल न रहकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएं इसके लिए हम निरंतर प्रयासरत है और सभी से सहयोग की अपेक्षा रखते हैं। जिनेश जैन के मुताबिक इस शिविर में कोच एडवोकेट पीयूष शर्मा एवं दीपक राव द्वारा प्रतिदिन प्रातः 8.15 बजे से 10.30 बजे तक बच्चों व बडो को शतरंज के गुर सिखाए जा रहे हैं। शिविर का समापन शनिवार, 5 जुलाई को होगा। **जिनेश कुमार जैन: संयोजक**

धर्म को समझे बिना कल्याण संभव नही : उपाध्याय ऊर्जयंत सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में विराजमान परम पूज्य उपाध्याय ऊर्जयंत सागर जी मुनि महाराज ने आचार्य विद्यासागर सभागार भवन में आयोजित धर्म सभा में आज उपस्थित जन समुदाय को मंगल आशीर्वाद देते हुए कहा की मैं आपको प्रवचन नही दे रहा हूं मैं आपसे धर्म क्या है आप इसे किस प्रकार समझते हैं हम इस पर चर्चा करेंगे पूज्य गुरुदेव ने सभी के द्वारा जिस प्रकार से धर्म को समझने के अलग अलग कारण बताए। उस पर गुरुदेव ने प्रकाश डालते हुए सभी की खामियों को दूर करते हुए बताया कि हमारे जीवन का कल्याण सिर्फ मंदिर आने से पूजा करने से या अभिषेक करने से नही हो सकता यदि हमें हमारे जीवन को जीने के तरीके को सार्थक करना है तो हमें सर्वप्रथम धर्म को समझने की आवश्यकता है। क्योंकि जब तक हम अच्छे से शुद्धता से धर्म की क्रिया को नही समझेंगे तब तक हमारा कल्याण नही हो सकता इसलिए आपको अपने जीवन के विचारों में परिवर्तन करने की आवश्यकता है सरलता लाने की आवश्यकता है और अपने ज्ञान रूपी चक्षु को खोलने की आवश्यकता है मोबाइल या टीवी पर दर्शन करने से या अलग-अलग लोगों द्वारा बताए गए तरीकों से तो केवल आप भटक सकते हैं। कल्याण के मार्ग पर नही जा सकते यदि आपको कल्याण के मार्ग पर चलना है तो शास्त्रों के अनुरूप जीवन जीने की कला को सिखाना होगा जिससे हमारा जैन कुल में जन्म लेना सार्थक होगा। प्रचार संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि आज की धर्म सभा का में भगवान महावीर स्वामी एवं वात्सल्य रत्नाकर आचार्य गुरुवर विमल सागर जी महाराज के चित्र का विमोचन करने का दीप प्रज्वलित करने का एवं परम पूज्य उपाध्याय श्री के पाद पक्षालन करने का सौभाग्य वीरेश नीता ,नितेश अमीषा, तारूश, काव्यांश जैन टीटी परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भगवान महावीर की स्तुति मंगलाचरण के माध्यम से करने का सौभाग्य पूर्व अध्यक्ष पूरणमल अनोपड़ा एवं वीरेश जैन टीटी को प्राप्त हुआ। सभी अतिथियों का एमपी जैन, ज्ञान बिलाला, कैलाश सेठी, विनेश सोगानी, सुरेश जैन बांदीकुई, मुकेश कासलीवाल, राजेन्द्र सोनी, वीरेश जैन टीटी, निर्मल शाह, संतोष कांसलीवाल, सुशीला टोंग्या, अनीता बड़जात्या ने स्वागत किया।

गोल्डन जुबली पर जीवदया सेवा वृक्षारोपण

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। आवौ अपना फर्ज निभाए प्रकृति का कुछ कर्ज चुकाए की भावना से महावीर इन्टरनेशनल कुचामन सिटी द्वारा संस्था स्थापना गोल्डन जुबली वर्ष सेवा सप्ताह पर हर वर्ष की भाँती सेवा सप्ताह के अर्न्तगत प्रथम दिवस दिनांक 29 /6/ 2025 रविवार को सुबह संस्था सदस्यों द्वारा शाकम्भरी माताजी गेट से मन्दिर तक तक 5 नए पोधो लगाकर पुर्व मे लगाए गए 51 पेड़ों पर पहले तीन बिलीया थे पोधो बडे होने से सभी पेडों पर पशुओ से रक्षा हेतु पाच पाच बिलीया लगाकर देखभाल कर पर्यावरण रक्षा कि व पशुओ के पक्षीयो के पानी पिने के लिए 35 बिलिया व 41परिडे भर कर जीवदया पर्यावरण सेवा करते संस्था अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, कोषाध्यक्ष वीर सुरेश जैन, संयोजक वीर रतनलाल मेधवाल, वीर अशोक अजमेरा, महेश लढा, राजकुमार अग्रवाल, पप्पु राम, प्रभु राम कुमावत द्वारा जीवदया पर्यावरण सेवा की गई। वीर सुभाष पहाडिया के अनुसार पांच व छ जुलाई को जयपुर बिडला ओडोटेरियम मे गोल्डन जुबली सुलुट कार्यक्रम मे कुचामन से तीस वीर वीरा सदस्य भाग लेने जायगे सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। -**वीर अजीत जैन**

वात्सल्य वारिधि वर्धमान चातुर्मास समिति का गठन

अध्यक्ष भागचंद फुलेता, कार्यक्रम संयोजक कमल आंडरा को बनाया

टोंक. शाबाश इंडिया। आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के चातुर्मास को लेकर श्री दिगंबर जैन नसियां अमीरगंज टोंक में एक साधारण मीटिंग का आयोजन किया गया। समाज के पवन कंटान व विकास जागीरदार ने बताया कि 28 जून शनिवार को दिगम्बर जैन नसियां अमीरगंज में प्रबंध कमेटी की देखरेख में चातुर्मास कार्यकारिणी का चयन किया गया । जिसमें कार्यक्रम संयोजक कमल आंडरा, अध्यक्ष भागचंद फूलेता, कार्यकारी अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया, मंत्री राजेश सर्राफ, महामंत्री धर्मेंद्र पासरोटिया, उपाध्यक्ष विमल बरवास व राजेश बोरदाआरटी, कोषाध्यक्ष लालचंद फुलेता, सहकोषाध्यक्ष अनिल आंडरा व अशोक झिराना, सहमंत्री सुरेश मलारना,प्रवक्ता पवन कंटानएवं भोजन व्यवस्था सुरेश संघी को चयन किया गया ।इस मौके पर पदमचंद आंडरा, महावीर प्रसाद देवली, नरेंद्र फागी, प्रेमचंद झिराना, नंदलाल संघी, महावीर दाखिया, महावीर पासरोटिया, कमल सर्राफ, नीटू छामुनिया, अंकुर पाटनी, धर्मचंद आंडरा, धर्मचंद पतल दोना, सुनील आंडरा, डप्पू छामुनिया, रमेश काला, अम्मू छामुनिया, अंशुल आरटी, नरेंद्र दाखिया, पुनीत जागीरदार, टोनी आंडरा, राहुल पासरोटिया, गौरव बरवास, मनीष अतार, बिट्टू पासरोटिया, सोनू पासरोटिया, राजेश शिवाड़िया महावीर पासरोटिया, महावीर दाखिया आदि समाज के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस मोके धर्मचंद जी दाखिया ने प्रबंध कमेटी का आभार जताया और कहा कि यह चातुर्मास ऐतिहासिक और मंगलमय होगा । भागचंद जी फुलेता वालों ने बताया कि लगभग 7 या 8 जुलाई को आचार्य श्री का मंगल प्रवेश टोंक में होनी की संभावना है आचार्य श्री का अनवरत विहार में 50 लोग प्रतिदिन सम्मिलित हो रहे हैं एवं 9 जून को मंगल कलश स्थापना होने की संभावना है। इसकी तैयारियां पूरे जोर शोर से चल जैन नसिया में चल रही है।

नर से नारायण पाषाण से परमात्मा की यात्रा का नाम है 'मेरी भावना'

'मेरी भावना' को शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाये

पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार

भारत वर्ष में अनेकानेक दिव्य महापुरुषों ने समय समय पर जन्म लेकर लोगों में नव चेतना का संचार किया है। जैन धर्म दर्शन के प्रख्यात लेखक विद्वान कवि स्वर्गीय जुगल किशोर जी मुख्तार 'युगवीर' कालजयी रचना 'मेरी भावना' जीवन को जीवंत करने वाला जीवन शास्त्र है। मेरी भावना में ''सर्वे भवन्तु सुखिन सर्वे संतु निरामया'' और मानव कल्याण की भावना निहित है। आज भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व के समस्त विद्यालयों महाविद्यालयों शिक्षण संस्थाओं में मेरी भावना को प्रार्थना के रूप में बोला जाना चाहिए। मेरी भावना को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। मेरी भावना का तात्विक विश्लेषण किया जाए तो इसके एक एक शब्द में गागर में भरा हुआ है एक एक शब्द बहुमूल्य है विद्यार्थियों को इन शब्दों की व्याख्या के इसके महत्व पर प्रकाश डाला जाए। इससे विद्यार्थी अपने अनमोल जीवन के एक एक क्षण का महत्व समझ सकेंगे।मेरी भावना कृति से जीवदया, जीवरक्षा सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की प्रबल इच्छा शक्ति जागृत होगी उनमें नैतिकता, विश्वबंधुत्व, सहिष्णुता, सामाजिक, परोपकार की भावना जागृत होगी। मेरी भावना नर से नारायण, पाषाण से परमात्मा, तीतर से तीर्थंकर, फर्श से अर्श की यात्रा का नाम है। यदि सच्ची श्रद्धा से प्रतिदिन मेरी भावना को बोला जाए तो उससे प्रकृति में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मेरी भावना से जीवन जीवंत हो जाता है। मेरी भावना सभी जाति देश समाज भाषा की सीमा से उन्मुक्त मानव से महा मानव की महायात्रा है। आज के विश्व युद्ध के

अराजकता पूर्ण वातावरण में मेरी भावना से नकारात्मक ऊर्जा का पर प्रभाव खत्म होगा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। आज कल के बच्चों का सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से बचना बहुत मुश्किल है।आज फास्ट फूड का जमाना है। इस ओर बच्चे तेजी से अग्रसर हो रहे है। इस फास्ट फूड के सेवन से छोटी सी उम्र में बड़ी बड़ी बीमारियां के शिकार हो जाते है।प्रकृति की सभी विरासत ये सूर्य, चंद्रमा, वन, उपवन, जंगल, पेड़, पौधे, सागर, नदी सभी हमें देना सिखाती है। प्रकृति साथ रहना चाहिए प्रकृति में यदि विकृति पैदा करेंगे तो फिर उसके दुष्परिणाम अतिवृष्टि अनावृष्टि ओलावृष्टि भुखमरी महामारी कोरोना सुनामी भूकंप ज्वालामुखी के रूप में भुगतना पड़ेंगे। संसार एक प्रतिक्रिया है जो दोगे वो मिलेगा जैसी करनी वैसी भरनी वाला सिद्धांत लागू है। मानव पंच तत्वों से मिलकर इस धरती पर आता है ओर जब अंत समय में मारता है तो भी पंच तत्वों में विलीन हो जाता है। यह सत्य है इसको नकारा नहीं जा सकता।मानव को अपनी सोच जीवन पर्यंत सकारात्मक रखनी चाहिए। इसका जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। नजरे अपनी बदलो नजारे बदल जायेगे सबको अपना मानो सब आपके हो जायेगे।सबसे पहले सोच बदले भगवान महावीर स्वामी ने कहा हैं कि संसार को मत बदलो स्वयं को बदलो संसार को मत सुधारो स्वयं सुधर जाओ ।मैं पत्रकार राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि कोटा मेरी भावना पर जितना भी लिखूं कम ही होगा। मेरे शब्द कोश में शब्द नहीं है जिस दिन इस विश्व के प्रत्येक व्यक्ति में मेरी भावना अंतर्मन में समा जाएगी उस दिन धरती स्वर्ग से भी ज्यादा सुंदर हो जाएगी। अंत में मेरी भावना कृति की पंक्तियों के साथ । मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवो से नित्य रहे दिन दुखी जीवो पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत बहे।

प्रस्तुति
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी
पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा
9414674980

कुंडलपुर के बड़े बाबा की मूर्ति को बताया चमत्कारी व अद्भुत

कुंडलपुर. शाबाश इंडिया। कुंडलपुर के बड़े बाबा के दर्शन करके अपने आप को बहुत सौभाग्यशाली मानते हुए कुंडलपुर बड़े बाबा की मूर्ति को निहारते हुए चमत्कारी व अद्भुत बताया। कुंडलपुर सिद्ध क्षेत्र के महामंत्री आरके जैन ने मंदिर के पूरे इतिहास व चमत्कार को बताया साथ में दमोह के प्रिंसिपल जिला एवं सेशन जज पी सी गुप्ता जयपुर के जे के जैन कालाडेरा सह परिवार मौजूद थे। साथ ही जे के जैन कालाडेरा परिवार ने बड़े बाबा के विधान प्रथम अभिषेक प्रथम शांतिधारा व छत्र चढ़ने का सौभाग्य प्राप्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

विशाल निःशुल्क कैंसर जांच शिविर का सफल आयोजन

समाजसेवा और स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक और सार्थक पहल

जयपुर. शाबाश इंडिया

गीताश्रम चिल्ड्रेन स्कूल, सोडाला स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता और नारी स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से आयोजित विशाल निःशुल्क कैंसर जांच शिविर का आज सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल, रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ, रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन, रोटरैक्ट क्लब ऑफ डीओसी डीएसई (दिल्ली) तथा इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन, जिला जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों की समय रहते पहचान कर उन्हें उचित परामर्श एवं उपचार की दिशा में मार्गदर्शन देना था। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष रोटेरियन अनिल जैन ने जानकारी दी कि

इस शिविर में 125 से अधिक नागरिकों ने भाग लिया, जिनमें महिलाओं की पैप स्मीयर, मेमोग्राफी, ब्लड शुगर सहित विभिन्न प्रकार की महत्वपूर्ण कैंसर स्क्रीनिंग जांचें पूरी तरह निःशुल्क की गईं। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से जांच कर उपयुक्त सलाह प्रदान की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। हेजल शर्मा अध्यक्ष, रोटरैक्ट क्लब ऑफ डीओसी डीएसई (दिल्ली)। रोटेरियन सुधीर जैन गोधा-संस्थापक अध्यक्ष, रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन, संजय पाबूवाल-महासचिव, इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन, जिला जयपुर। इस आयोजन को सफल बनाने में रोटरी और वैश्य संगठनों के समर्पित सदस्यों व स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने पूरे शिविर को व्यवस्थित और सेवा भावना से संचालित किया। यह शिविर न केवल एक चिकित्सकीय सेवा था, बल्कि समाज में स्वास्थ्य जागरूकता की अलख जगाने वाली एक प्रेरक पहल भी रहा। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ एवं इसकी सहयोगी संस्थाएं आगे भी इस प्रकार के जन कल्याणकारी कार्यक्रमों के आयोजन हेतु प्रतिबद्ध हैं।

जैन बैंकर ''विपिन कुमार जैन'' ने किया पौधारोपण कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर, जोबनेर से आगे प्रतापपुरा गांव में स्थित ''सोने की चिड़िया'' फार्म पर लगभग 1500 पौधों को लगाकर जैन बैंकर ''विपिन कुमार जैन'' पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। विपिन कुमार जैन पक्षियों की पिंजरों से आजादी की आवाज 'बर्ड फ्रीडम डे' विश्व अभियान के संस्थापक है और अब तक 63 करोड़ लोगों में पक्षियों की पिंजरों से आजादी की आवाज को उठा कर एक अनूठा प्रयास समूचे विश्व को जागृत करने के लिए कर रहे हैं। गौरतलब है कि आपके द्वारा पक्षियों की पिंजरों से आजादी की आवाज ''बर्ड फ्रीडम डे'' अभियान को 222 से ज्यादा पत्र पत्रिकाओं ने 63 करोड़ लोगों तक पहुंचाया है और भारत ही नहीं अपितु अमेरिका के शहर शिकागो से भी विपिन जैन इस अभियान को विश्व अभियान बनाने के लिए प्रयास कर चुके है और शिकागो से अभी अनेक लोग विपिन जैन के इस अभियान में हिस्सा ले चुके है और पक्षियों की पिंजरों से आजादी की आवाज को बुलंद कर रहे है। पर्यावरण संरक्षण में विपिन जैन अपनी एक अलग पहचान बना चुके है और यह समस्त जैन बैंकर्स के लिए गर्व की बात है। यही नहीं विपिन कुमार जैन हॉलीवुड में भी अपनी प्रतिभा दिखाकर अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाकर समस्त बैंकर्स और गुलाबी नगरी जयपुर को गौरवान्वित कर चुके हैं। समाज सेवा के इस क्रम में उन्होंने जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के मंदिर निर्माण का संकल्प भी ले चुके है और इस हेतु 1 बीघा जमीन मंदिर निर्माण के लिए जगह चिन्हित भी कर ली है और उस स्थान को भगवान के मंदिर के लिए समर्पित करने हेतु प्रतिबद्ध है। यही नहीं समस्त नारी सम्मान को अपशब्दों से मुक्त कराने के लिए वाणी संयम अभियान की स्थापना भी कर चुके हैं। उनके प्रयासों से समाज को एक नई दिशा मिल रही है। विपिन कुमार जैन, गृहस्थ जीवन में रहते हुए और एक बैंकर के रूप में अपने समस्त दायित्वों को पूर्ण करते हुए सर्वकल्याण की दिशा में सदैव तत्पर रहते हैं।

हमारा शरीर देता है लीवर डैमेज का संकेत

हमारा लिवर शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है जो कई महत्वपूर्ण कामों को करता है. यह शरीर से गंदगी को बाहर निकालता है, भोजन को पचाने में मदद करता है और ब्लड सेल्स के निर्माण में भी भूमिका निभाता है लेकिन आजकल की खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण लिवर को कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं. इन बीमारियों के लक्षण दिन में तो दिख ही सकते हैं, लेकिन कुछ लक्षण रात के समय भी दिखते हैं. यदि आप इन लक्षणों को अनदेखा करते हैं, तो यह लिवर के लिए खतरनाक हो सकता है. आइए जानते हैं रात में दिखने वाले लिवर डैमेज के कुछ संकेतों के बारे में...

बार-बार नींद खुलना: अगर आपको रात में बार-बार नींद खुलती है, तो यह लिवर खराब होने का संकेत हो सकता है. लिवर खराब होने से नींद संबंधी समस्याएं हो सकती हैं.

खुजली: रात के समय शरीर में खुजली होना भी लिवर खराब होने का संकेत हो सकता है. जब लिवर ठीक से काम नहीं करता है, तो पित्त का स्तर बढ़ जाता है, जिससे त्वचा में खुजली हो सकती है.

सूजन: लिवर खराब होने पर पैरों और टखनों में सूजन आ सकती है. यह सूजन खासतौर पर रात के समय ज्यादा दिखाई देती है.

जी मिचलाना और उल्टी: अगर आपको रात में जी मिचलाना और उल्टी जैसी समस्याएं होती हैं, तो यह लिवर खराब होने का संकेत हो सकता है.

पेशाब का रंग पीला होना: लिवर खराब होने पर पेशाब का रंग पीला हो सकता है. यह बिलीरुबिन के बढ़े हुए लेवल के कारण होता है, जो लिवर द्वारा उत्पादित एक पदार्थ है.

इन लक्षणों को क्यों नजरअंदाज नहीं करना चाहिए?

ये लक्षण अक्सर अन्य बीमारियों के लक्षणों के समान हो सकते हैं, इसलिए इनकी अनदेखी करना आसान हो सकता है. लेकिन अगर आपको ये लक्षण लगातार दिख रहे हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. लिवर की बीमारियों का जल्दी पता चल जाने पर उनका इलाज करना आसान होता है.

लिवर की बीमारियों के कारण क्या हैं?

ज्यादा शराब का सेवन
वायरल हेपेटाइटिस
मोटापा
डायबिटीज
हाई ब्लड प्रेशर रक्तचाप
कुछ दवाओं के नुकसान

लिवर को हेल्दी रखने के लिए क्या करें?

बैलेंस डाइट लें
शराब का सेवन कम करें
नियमित रूप से व्यायाम करें
स्वस्थ वजन बनाए रखें
तनाव से बचें

डा पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद चिकित्साधिकारी,
राजकीय आयुर्वेद औषधालय शासन सचिवालय जयपुर । 9828011871.

श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर भोज्याडा में शांति विधान मंडल का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिनांक 29 जून 2025 रविवार प्रातः है 6:30 बजे से पाटनी परिवार भोज्यारा के द्वारा श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर भोज्याडा तहसील चाकसू जिला जयपुर में अभिषेक शांति धारा शांति मंडल विधान किया गया। व्यवस्थापक उमराव पाटनी पदम पाटनी भोज्याडा ने बताया की यह अति प्राचीन मंदिर है ।इसमें शांति नाथ भगवान की मूल प्रतिमा करीबन 500 वर्ष पुरानी अतिश्यकारी चमत्कारी प्रतिमा है जो भी बाबा के दर पर अर्जी लगता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। उनका कहना है की एक बार बाबा के चरणों में श्रीफल चढ़ाकर इच्छा प्रकट करता है, वह सभी इच्छाएं पूर्ण होती है। एक बार इस मंदिर के दर्शन अवश्य करें आपकी सभी मनोकामना पूर्ण होगी स्थानीय रतनलाल गुलाबचंद मनोज अरुण महावीर सुरेंद्र जैन एडवोकेट मौजूद थे। राकेश पाटनी ने बताया की यह मंदिर जयपुर से साउथ की ओर 40 किलोमीटर की परिधि में है वाटिका मोड़ टोंक रोड से करीबन 15 किलोमीटर की दूरी पर है एक बार प्रतिमा के दर्शन अवश्य करें। पाटनी परिवार भोज्याडा के सभी सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया धन्यवाद।

संस्कारों के बीजारोपण एवं छोटे बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु जैन सोश्यल ग्रुप का जैन पाठशाला में आयोजन

धर्म एवं संस्कार की शिक्षा दी जाती है सन्मति जैन पाठशाला में

सीकर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप सीकर द्वारा रविवार को समाज द्वारा संचालित सन्मति जैन पाठशाला से जुड़े बच्चों हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप के सभी सदस्य इस अवसर पर सपरिवार सम्मिलित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन कर रहे थे । सोश्यल ग्रुप द्वारा समस्त बच्चों को उपहार स्वरूप छाते वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ जिनेन्द्र प्रभु के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। विद्यालय के बच्चों द्वारा इसके पश्चात मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। पाठशाला के बच्चों हेतु ग्रुप द्वारा धर्म से जुड़ी प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया एवं विजेताओं को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया गया। मंच संचालन संजय बड़जात्या द्वारा किया गया। पाठशाला से जुड़े पंडित जयंत शास्त्री ने बताया कि संस्कार शालाओं में , धार्मिक पाठशालाओं में सुसंस्कार, धर्म के मूल सिद्धांत, नैतिक जीवन व शिष्टाचार की शिक्षा मिलती है जिससे बच्चे का जीवन पथ सुगम सहज बनता है। जैन सोश्यल ग्रुप के अध्यक्ष सांवरमल - अंजना पाटनी ने बताया कि पाठशाला का महत्व बच्चों को जैन धर्म के सिद्धांतों, मूल्यों और जीवनशैली से परिचित कराना है। यह बच्चों में धार्मिक और सामाजिक मूल्यों को विकसित करने, उन्हें संस्कारवान बनाने और धर्म के प्रति रुचि जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जैन पाठशाला के नवरत्न छाबड़ा ने जैन सोश्यल ग्रुप का इस विशेष आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया। जैन समाज के प्रवक्ता एवं सोश्यल ग्रुप के सदस्य विवेक पाटोदी ने बताया कि जैन पाठशाला के कुछ प्रमुख महत्व इस प्रकार हैं:

धार्मिक और सामाजिक मूल्यों का विकास: पाठशालाएं बच्चों को जैन धर्म के अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे बुनियादी सिद्धांतों से परिचित कराती हैं।

संस्कारों का बीजारोपण: पाठशालाएँ बच्चों में सेवा, त्याग, और करुणा जैसे गुणों का विकास करती हैं, जो उन्हें एक बेहतर इंसान बनाने में मदद करते हैं।

नई पीढ़ी को धर्म से जोड़ना: पाठशालाएं बच्चों को जैन धर्म से संबंधित कहानियों, भजनों और प्रार्थनाओं के माध्यम से धर्म से जोड़ती हैं, जिससे उनकी धार्मिकता में वृद्धि होती है।

स्वयं के व्यक्तित्व का विकास: पाठशालाएँ बच्चों में आत्मविश्वास, आत्म-अनुशासन और सामाजिक कौशल जैसे गुणों का विकास करती हैं, जो उनके समग्र विकास में सहायक होते हैं। पाठशालाएं बच्चों को जैन संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराती हैं, जिससे वे अपनी सांस्कृतिक पहचान को समझ पाते हैं और उसका सम्मान करते हैं। विवेक कविता पाटोदी ने बताया कि संक्षेप में जैन पाठशालाएँ बच्चों के जीवन में धार्मिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक मूल्यों को स्थापित कर उन्हें एक बेहतर इंसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। रविवार को आयोजित इस विशेष आयोजन में कार्यक्रम संयोजक सुनील - राजकुमारी पहाड़िया , रितेश- रजनी रारा, आनन्द - प्रेम मोदी, अनिल-लीना जैन, विकाश- दीपिका जयपुरिया द्वारा सभी को आभार व्यक्त किया गया।